अन्ना हजारे

सतीश कुमार कश्यप
रा.ज.सं.,रूड़की

कोई झोंका नहीं है, तूफान है अन्ना हजारे
कोई रोड़ा नहीं, आह्वान है, अन्ना हजारे

भर दे खौफ का बारूद, दुश्मन की रगों में एक नई
जंग का ऐलान है अन्ना हजारे

जुर्म के कारखानों की जड़ें जो खोद डाले
ऐसे कानून का फरमान है, अन्ना हजारे

काटने का सिरों को, सिलसिला यूं न थमेगा
जुर्म के अंत का, सामान है अन्ना हजारे

कोई बख्शा न जाए, दायरे में जो भी आए
भ्रष्टों की मौत का, उनवान है, अन्ना हजारे

कम सुनामी से नहीं है, जनलहर का ये ट्रेलर
थम न पायेगा वो, अभियान है अन्ना हजारे

आ रहे हैं नजर गर्दिश में, दुश्मन के सितारे
सुबह के तारे का जयगान है, अन्ना हजारे।

राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी हमारे देश की एकता में सबसे अधिक सहायक सिद्ध होगी, इसमें दो राय नहीं।

जवाहरलाल नेहरू